या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

March 2026

NAAC GRADE A+ Accredited University

MANGAL SAMPARK

मंगल संपर्क

www.mangalayatan.in

MANGALAYATAN UNIVERSITY NEWSLETTER BY PUBLIC RELATION UNIT

मंगलायतन विश्वविद्यालय में 12वां दीक्षांत समारोह हुआ आयोजित

मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व विशिष्ठ अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने की शिरकत

मुख्य बिन्दु

- 3555 स्नातक विद्यार्थियों को डिग्री
- 1780 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री
- 99 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि
- 27 विद्यार्थियों को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- 575 विद्यार्थियों को डिप्लोमा

स्वर्ण पदक 9 | 13 विद्यार्थियों को विशेष प्रमाण–पत्र | रजत पदक 9

CERTIFIED

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मानद उपाधि से अलंकृत

मंगलायतन विश्वविद्यालय में 12वें दीक्षांत समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना मुख्य अतिथि तथा प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोनों अतिथियों को समाज, प्रशासन और जनसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन हेमंत गोयल का सानिध्य प्राप्त हुआ।

कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि संस्थान शिक्षा के साथ–साथ शोध, नवाचार, सांस्कृतिक गतिविधियों और कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दे रहा है। आयोजन कुलसचिव ब्रिगेडियर डा. समरवीर सिंह और संयुक्त कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विधायक इगलास राजकुमार सहयोगी, विधायक खैर सुरेंद्र दिलेर, विधायक छर्रा रवेंद्रपाल सिंह, विधायक कोल अनिल पाराशर, डीएम राजीव रंजन, एसएसपी नीरज जादौन, कृष्णपाल सिंह, कालीचरन सिंह सहित सभी संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति डॉ. अच्युतानंद मिश्र ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत और सपनों की यात्रा का उत्सव है।

शिक्षा केवल डिग्री नहीं, व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम

मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के वर्षों के परिश्रम, समर्पण और अनुशासन का उत्सव है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक विकास का आधार है। भारत एक युवा राष्ट्र है और देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की है। ऐसे में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में युवाओं को ज्ञान के साथ विनम्रता और नैतिकता को भी अपनाना होगा।

श्री सतीश महाना उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष और एक प्रतिष्ठित जन नेता हैं। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से देश के सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य में लोकतांत्रिक संस्थाओं और विधायी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम

विशिष्ट अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरुआत है। आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी और डेटा विज्ञान का युग है, जहां सफलता केवल डिग्री से नहीं बल्कि कौशल, रचनात्मकता और निरंतर सीखने की क्षमता से निर्धारित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास के लिए करें।

श्री स्वतंत्र देव सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में माननीय जल शक्ति मंत्री और एक सक्रिय जन नेता हैं। उनके नेतृत्व में राज्य में जल संसाधन प्रबंधन, सिंचाई विकास और पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।

शिक्षा ही सफलता का आधार है : चौधरी ऋषिपाल सिंह

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए अलीगढ़–हाथरस क्षेत्र के विधानपरिषद सदस्य चौधरी ऋषिपाल सिंह ने कहा की शिक्षा ही वह आधार है जो व्यक्ति को सफलता और समाज को प्रगति की दिशा देती है। डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनकी यह उपलब्धि उनकी वर्षों की मेहनत का फल है। समर्पण का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आवाहन किया कि वे ईमानदारी, परिश्रम, और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अवश्य अपनाएं। मंगलायतन विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय से मेरा गहरा लगाव है, क्योंकि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

Alumni Meet Rekindles Cherished Memories

Mangalayatan University organized its Alumni Meet 2026 with great enthusiasm, where former students participated actively. The event provided a platform for alumni to reconnect with their old friends, teachers, and cherished memories associated with the university campus. The Program began with the lighting of the ceremonial lamp before Goddess Saraswati. Alumni were warmly welcomed with tilak and presentation of angvastra. Cultural performances, including dance, music, and poetry, captivated the audience.

Alumni Association President Dr. Soni Singh was welcomed by Prof. Siddharth Jain with a bouquet. Head of Computer Science Department, Dr. Lav Mittal, addressed the gathering and emphasized the university's commitment to quality education. He also highlighted recent developments in infrastructure and academic programs. Participants shared their experiences and reminisced about their student life. Discussions were also held on taking the university to greater heights. Cultural performances by Kashish, Vanshika, Rudraksh, Tanmay, Mansi, and Vansh added vibrancy to the event. Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora, Registrar Brigadier Dr. Sumar vir Singh, and Joint Registrar Prof. Dinesh Sharma extended their best wishes.

Discussion held on Pi Day

Pi Day was celebrated at the Institute of Applied Sciences, Mangalayatan University, with enthusiasm and academic engagement. The objective of the program was to promote interest in mathematics among students and highlight the significance of the mathematical constant Pi, approximately valued at 3.14159. Faculty members and students actively participated in the event. Lectures were organized on the importance of Pi and its applications in science and engineering, helping students understand the practical relevance of mathematics in daily life. Registrar Brigadier Dr. Sumar vir Singh shed light on the historical background of Pi and emphasized its importance in fields such as geometry, physics, engineering, and computer science.

घटस्थापना के साथ विधि-विधान से शुरू हुई नौ दिवसीय पूजा

▶▶▶ नवरात्रि है भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व : कुलपति प्रो. पीके दशोरा

नवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलायतन विश्वविद्यालय परिसर स्थित देवी मंदिर में प्रथम दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ घटस्थापना एवं पूजा–अर्चना का आयोजन किया गया। पूजा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि–विधानपूर्वक कराया गया। देवी माँ की आराधना करते हुए सभी ने सुख–समृद्धि एवं शांति की कामना की। कुलपति प्रो. पीके दशोरा, रजिस्ट्रार डा. समरवीर सिंह, संयुक्त रजिस्ट्रार प्रो. दिनेश शर्मा तथा प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत ने पूजन किया। कुलपति ने कहा कि नवरात्रि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें शक्ति, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। वहीं रजिस्ट्रार ने बताया कि विश्वविद्यालय में नौ दिनों तक नियमित रूप से पूजा–अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ एवं भजन–कीर्तन का आयोजन होगा।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में नारी शक्ति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा "नारी शक्तिरू भारतीय सांस्कृतिक परंपरा एवं ज्ञान प्रणाली में महिलाओं की भूमिका और प्रतिनिधित्व" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन एवं सफल समापन हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय परंपरा में नारी की गरिमामयी भूमिका को पुनर्स्थापित करना तथा नई पीढ़ी को इससे जोड़ना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यार्थियों द्वारा देवी नमस्कार (64 योगिनी) की प्रस्तुति ने आध्यात्मिक वातावरण का सृजन किया, जबकि डा. प्रेमलता ने काव्य पाठ प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण प्रो. दिनेश पांडेय ने दिया और कार्यक्रम का परिचय डा. प्रीति पंकज गुप्ता ने कराया। मुख्य वक्ता, राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित एवं कनक धरा फाउंडेशन की संस्थापक प्रो. लक्ष्मी गौतम ने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परंपरा में नारी की केंद्रीय भूमिका को जीवन अनुभवों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि नारी को अपनी संस्कृति और मर्यादा को बनाए रखते हुए रूढ़ियों से मुक्त होकर आगे बढ़ना चाहिए। दोपहर सत्र में एडीएम सिटी किंशुक श्रीवास्तव ने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के केंद्र में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सामाजिक बुराइयों को दूर करने और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने पर बल दिया।

समापन सत्र में कुलसचिव ब्रिगेडियर डा. समरवीर सिंह ने नारी को सृजन शक्ति बताते हुए समाज के संतुलित विकास में उनकी भूमिका को अहम बताया। डीन एकेडमिक प्रो. अम्बरीष शर्मा ने शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। मुख्य वक्ता नीरू यादव ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव साझा करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प का संदेश दिया। द्वितीय सत्र में प्रो. सुनीता गुप्ता एवं प्रो. लकी वार्ष्णेय ने नारी–पुरुष समानता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।

सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत छात्रों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

मंगलायतन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर (यूआईआईसी) के तत्वावधान में सीएम युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत एमएसएमई कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। डीन एकेडमिक प्रो. अम्बरीष शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि आज के समय में रोजगार के साथ–साथ स्वरोजगार भी एक सशक्त विकल्प है। विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए।

प्रथम सत्र में विशेषज्ञ वक्ता कुमार मौसम ने उद्यमिता की बुनियादी अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किसी भी व्यवसाय की सफलता के लिए सही योजना, धैर्य और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

बैंकिंग विशेषज्ञ सतीश कुमार शेरावत ने एमएसएमई योजनाओं, ऋण सुविधाओं एवं सरकारी सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

दूसरे सत्र में उद्योग विशेषज्ञ हार्दिक रावत ने फूड इंडस्ट्री में संभावनाओं और आधुनिक प्रबंधन के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि खाद्य उद्योग एक तेजी से बढ़ता क्षेत्र है, जिसमें नवाचार और गुणवत्ता के माध्यम से सफलता हासिल की जा सकती है।

यूआईआईसी के अध्यक्ष प्रो. रविकांत ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं यूआईआईसी प्रबंधक डा. विपिन कुमार ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती हैं।

Online Workshop on Software Careers Organized

The Department of Computer Engineering and Applications (DCEA) at Mangalayatan University organized an online career workshop on the topic "From Campus to High-Impact Software Career." The objective of the workshop was to guide students about career opportunities and essential skills required in the software industry.

The session featured Mani Gautam, Senior Consultant (Development) at Infogen Technologies, as the keynote speaker. He elaborated on current industry trends, in-demand skills, and emerging career opportunities in the technology sector. He also provided valuable insights on building strong projects, creating effective resumes, and preparing for interviews. Students from BCA, MCA, B.Tech, and Diploma final and pre-final years participated enthusiastically. The workshop was conducted under the guidance of Head of Department Dr. Love Kumar.

रेडियो नारद ने चलाया टीबी जागरूकता अभियान

मंगलायतन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा संचालित रेडियो नारद ने "सेहत सही, लाभ कई" अभियान के तहत गांव श्योरा और साथिनी के कंपोजिट विद्यालयों में टीबी (क्षय रोग) जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल में स्मार्ट एनजीओ, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और आंगनबाड़ी केंद्र का सहयोग रहा। कार्यक्रम में आरजे नीलकांत ने विद्यार्थियों को टीबी के लक्षण, बचाव, उपचार और टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, लेकिन समय पर जांच और डॉट्स योजना के तहत इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। इसके साथ ही डेंगू, मलेरिया और डायबिटीज जैसी बीमारियों के प्रति भी जागरूक किया गया। इंटरएक्टिव सत्र, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी संदेश दिए गए। विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की।

ग्रह-रक्षा का संकल्प : प्रकृति क्लब का त्रिकोणीय उत्सव संपन्न

मंगलायतन विश्वविद्याल के प्रकृति क्लब के तत्वावधान में हमारे ग्रह की रक्षा करें विषय पर उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय वन दिवस, विश्व जल दिवस और विश्व मौसम विज्ञान दिवस की महत्ता को रेखांकित करने के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के रूप में किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. आरके शर्मा रहे। मार्गदर्शन प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। क्लब की संयोजिका डा. कविता शर्मा ने नेतृत्व किया। समन्वयक डा. कृष्ण कुमार पटेल, डा. रविशेखर और दीपिका गुप्ता का योगदान रहा। इस तीन दिवसीय वैचारिक और सांस्कृतिक समागम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज कराई। संचालन विपिन यादव, चौधरी, सोनम और अजय की टीम द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी विविध कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का ओजस्वी संदेश दिया। वंदना सारस्वत, विशाल राज, निशु, शिवा कुमारी, शिवम और रजनीश ने अपने विचारों और प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों को जागरूक किया। समीक्षा, प्रभाकर, आस्था, श्रुति, रूपा, सृष्टि, रचना, रंजू, श्वेता और संध्या के दल द्वारा एक मर्मस्पर्शी लघु नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसने प्रकृति और मानव के अटूट संबंध को जीवंत कर दिया।

दीक्षांत समारोह की झलकिया कैमरे की नजर से

निर्माण क्रांति से नई पहचान गढ़ रहा मंगलायतन विश्वविद्यालय

मंगलायतन विश्वविद्यालय में इन दिनों 'निर्माण क्रांति' के तहत बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। इन प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व वरिष्ठ अभियंता प्रोफेसर महेश कुमार और प्रोजेक्ट इंजीनियर मनु कर रहे हैं, जिनका उद्देश्य विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान दिलाना है।

इस परिवर्तन का प्रमुख उदाहरण 'सुमंगलम छात्रावास' है, जिसे मात्र 12 माह में 6 से बढ़ाकर 10 मंजिला बनाया गया। इससे इसकी क्षमता 800 से बढ़कर 1500 छात्रों की हो गई है। इस छात्रावास में लिफ्ट, बालकनी में लोहे की जालियां, प्रत्येक कमरे में गीजर, उच्च गुणवत्ता फर्नीचर और आरओ जल जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वहीं, 9 मंजिला 'सरयू छात्रावास' का निर्माण अंतिम चरण में है। विश्वविद्यालय केवल नए निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि पुराने भवनों के जीर्णोद्धार के साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। अमरावती, महानदी और साबरमती ब्लॉक को 'कनेक्टिविटी ब्रिज' से जोड़कर आवागमन आसान बनाया गया है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों में तेजी आएगी। साथ ही, कर्मचारियों के लिए सुरक्षित आवास और सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

यह समग्र विकास विश्वविद्यालय को 'स्मार्ट कैंपस' के रूप में स्थापित कर रहा है।

मानवता की मिसाल : प्रो. लक्ष्मी गौतम ने सेवा को बनाया जीवन का उद्देश्य

आज के दौर में जहां समाज का बड़ा हिस्सा अपने-अपने स्वार्थों में उलझा नजर आता है, वहीं प्रो. लक्ष्मी गौतम जैसी हस्ती मानवता की सच्ची मिसाल बनकर सामने आती हैं। उन्होंने न केवल बेसहारा और जरूरतमंद लोगों की मदद को अपना जीवन समर्पित किया है। उनका यह सेवा कार्य आज भी कनकधारा फाउंडेशन के माध्यम से निरंतर जारी है। प्रस्तुत है पत्रकारिता विभाग के छात्र शिवम पांडेय और छात्रा साक्षी झा की विशेष बातचीत।

विशेष साक्षात्कार : प्रो. लक्ष्मी गौतम

सवाल: आपका बचपन और शिक्षा कैसी रही?

जवाब: मेरा जन्म और कर्मभूमि दोनों वृंदावन ही हैं। हमारे पूर्वज भी लगभग 200 वर्षों से यहीं रहते आए हैं। हम सात भाई–बहन थे और मैं पांचवीं संतान हूँ। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही। प्राथमिक शिक्षा कमला नेहरू प्राथमिक विद्यालय से, हाईस्कूल नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज से और इंटरमीडिएट सुखदा शिक्षा मुनिर कॉलेज से किया। आगे स्नातक, परास्नातक और पीएचडी पूरी कर प्राध्यापक बनी। मैंने हिस्ट्री में एम.ए. किया, जिसमें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

सवाल: प्रोफेसर बनने का सफर कैसा रहा?

जवाब: मेरे सास–ससुर दोनों शिक्षक थे और उनकी प्रेरणा से मैंने बी.एड. किया। उस समय मैं गर्भवती थी, लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी प्रथम श्रेणी हासिल की। पीएचडी के लिए लखनऊ गई और 2003 में चयन के बाद कॉलेज में जॉइन किया। आज भी मैं 17–18 घंटे काम करती हूँ।

सवाल: विधवा महिलाओं के अंतिम संस्कार से जुड़ने की प्रेरणा क्या थी?

जवाब: बचपन से ही विधवाओं की स्थिति देखकर मन में प्रश्न उठता था। 2011 में सर्वे के दौरान पता चला कि उनके शवों के साथ अमानवीय व्यवहार होता था। यह जानकर मैंने ठान लिया कि सम्मानजनक अंतिम संस्कार सुनिश्चित करूँगी। बाद में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी आए और तब से मैं यह कार्य निरंतर कर रही हूँ।

सवाल: कनकधारा फाउंडेशन की स्थापना क्यों की?

जवाब: 2012 में अपनी सास के नाम पर यह संस्था बनाई। इसका उद्देश्य सेवा और मोक्ष कार्य है। इसके अंतर्गत गरीब बच्चों की शिक्षा, महिलाओं की काउंसलिंग, घर वापसी और कोरोना काल में भोजन वितरण जैसे कार्य किए गए।

सवाल: इस कार्य में परिवार का कितना सहयोग मिला?

जवाब: मुझे परिवार का पूरा सहयोग मिला। उनके बिना यह संभव नहीं था।

सवाल: समाज का रवैया कैसा रहा?

जवाबः शुरुआत में विरोध हुआ, लेकिन मैंने ध्यान नहीं दिया। आज लोग सम्मान करते हैं।

सवाल: सरकार से आपको क्या सम्मान मिले?

जवाब: मुझे तीन बार राष्ट्रपति पुरस्कार, 2015 में नारी शक्ति पुरस्कार, 2016 में वूमेन ट्रांसफार्मेशन इंडिया अवार्ड सहित कई सम्मान मिले हैं।

सवाल: आपके मिशन का लक्ष्य क्या है?

जवाब: जब तक जीवन है, सेवा करती रहूँगी।

सवाल: समाजसेवा करने वालों को क्या संदेश देंगी?

जवाब: सेवा बिना दिखावे के होनी चाहिए। छोटा कार्य भी ईमानदारी से करें, वही सच्ची सेवा है।

Book on Computational Intelligence and Biotechnology Released

A book titled "Computational Intelligence and Biotechnology for a Sustainable Future" was released at Mangalayatan University. The book was unveiled by Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora, Registrar Brigadier Dr. Sumar vir Singh, and Controller of Examinations Prof. Dinesh Sharma. The publication highlights the integration of computational intelligence and biotechnology as a significant contribution to modern research. The book has been edited by Dr. Lav Kumar and Dr. Soni Singh, who elaborated on the convergence of these emerging disciplines in the 21st century. It explains how fields like artificial intelligence, machine learning, and data-driven modeling, when combined with biotechnology, are bringing transformative changes in healthcare, agriculture, environmental management, and industrial processes. The dignitaries stated that such research-oriented books would be highly beneficial for students, researchers, and academicians. Dean Academics Prof. Ambrish Sharma, Prof. Rajesh Upadhyay, and Yogesh Kaushik were also present on the occasion.

Book by Dr. Vipin Kumar Released at Mangalayatan University

The book "Next Gen Marketing Management: Data, Decision and Direction" authored by Dr. Vipin Kumar was released at Mangalayatan University by Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora, Registrar Brigadier Dr. Samarveer Singh, and Controller of Examinations Prof. Dinesh Sharma.

Academicians described the book as highly relevant for understanding the evolving landscape of modern marketing. Dr. Vipin Kumar stated that the book explains the transformation in marketing practices, focusing on technology, data-driven decision-making, and a customer-centric approach. It highlights how artificial intelligence, analytics, and digital tools are shaping marketing strategies in today's era. The book also emphasizes that marketing is no longer limited to selling products through digital platforms but involves building long-term relationships by understanding customer needs.Dean Academics Prof. Ambrish Sharma, Dean IBMC Prof. Rajeev Sharma, Prof. Anurag Shakya, and Prof. Kishanpal Singh were also present on the occasion.

Two Technical Books by Prof. Kishan Pal Singh Released

Two important technical books authored by Prof. Kishan Pal Singh of Mangalayatan University have been published. The titles of the books are "Refrigeration and Air Conditioning: A Practical Approach" and "Heat Transfer: A Practical Approach."

The books were jointly released by Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora, Registrar Brigadier Dr. Samarveer Singh, Controller of Examinations Prof. Dinesh Sharma, and Dean Academics Prof. Ambrish Sharma. The author stated that the primary objective of these books is to provide engineering and technical students with both theoretical knowledge and practical understanding. Complex concepts have been presented in simple language with the help of practical examples, making them easy to comprehend. Lab Technician Mukesh Kumar also contributed significantly to the work, particularly in compiling laboratory-based content and practical aspects.

Mangalayatan University Achieves Major Placement Milestone: 97 Students Secure Jobs in Top Companies

Students of Mangalayatan University have once again proved their excellence as 97 students from various faculties have been selected by reputed companies. The selections were made during a recently Organized placement drive on campus, where company representatives conducted rigorous selection processes including written tests and interviews.

Leading companies from the technical sector participated in the drive. A total of 40 students were selected by New Allenberry Works Private Limited, 40 by JBM Green Energy Private Limited, and 17 by Sterling Enamelled Wires Private Limited. All selected candidates belong to diploma streams of Mechanical, Electrical, and Computer Science.Registrar Brigadier Dr. Sumar vir Singh expressed his Happiness over the achievement and stated that the university focuses not only on theoretical knowledge but also on preparing students according to current industry demands. Joint Registrar Prof. Dinesh Sharma highlighted that special emphasis is being laid on practical learning and skill development, enabling students to meet professional challenges effectively.

Placement Cell Director Prof. Kishan Pal Singh and In-charge Dr. Vipin Kumar credited this success to the hard work of students and proper guidance provided by the faculty.

Students and Faculty Honored at International Conference

Students and faculty of the Department of Physiotherapy, Mangalayatan University, performed remarkably at the "Physio Connect-6" International Conference held at The NorthCap University, Gurugram, organized by The Myra Foundation. The university received the "Best University Award" for excellence in physiotherapy education and active participation.

A total of 19 BPT students participated in academic and cultural events. Raghvendra Kumar Chaubey, Mohammad Shahan Ansari, Ritesh, and Akhil secured third place in group dance, while Ragini and Mehak also showcased their talent. In academics, Raghvendra, Shahan Ansari, Srishti Jain, and Nidhi presented research posters appreciated by experts.Dr. KK Sharma was honored with the "Bharat Gaurav Physiotherapy Award," and Dr. Swati received the "Academic Excellence Award" for her contributions.

Vice-Chancellor Prof. PK Dashora, Registrar Brigadier Dr. Sumar vir Singh, Controller of Examinations Prof. Dinesh Sharma and Dean Academics Prof. Ambrish Sharma extended their congratulations.

EDITORIAL BOARD :

Patron : Prof. P.K. Dashora, Vice Chancellor, **Chief Editor :** Prof. Jitendra Singh, **Associate Editors :** Dr. Manisha Upadhyay, Mr. Mayank Jain, **Advisory Board :** Brig (Dr.) Sumar Vir Singh (Retd) Registrar, Prof. Ravi kant, Prof. Rajeev Sharma, Prof. Yatendra Pal Singh, Prof. Abdul Wadood Siddiqui, Dr. Poonam Rani, Dr. Javed Wasim, **Editor/Designing :** Mr. Yogesh Kaushik, **Student Sub Editor :** Yash, Sahil, Mukesh, Somi